फार्म एफ–1
((नियम 3 (1)))
वृहद आर्थिक ढांचा संबंधी विवरण

अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन

1. राज्य के सकल घरेलू उत्पाद स्थिर भाव (वर्ष 2011–12) बाजार मूल्य पर वर्ष 2015–16 में रूपये 1,97,069 करोड़ की तुलना में वर्ष 2016–17 में रूपये 2,13,649 करोड़ अनुमानित है । कृषि एवं संबंधित क्षेत्र (कृषि, पशुपालन, वन एवं मत्स्य पालन सम्मिलित) में वर्ष 2016–17 के सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन पिछले वर्ष 2015–16 में रूपये 31,148 करोड़ की तुलना में रूपये 35,440 करोड़ अनुमानित किया गया है । उद्योग क्षेत्र (निर्माण, विनिर्माण, खनन एवं उत्खनन, विद्युत, गैस तथा जल आपूर्ति सम्मिलित) में सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन वर्ष 2015–16 के रूपये 88,762 करोड़ की तुलना में वर्ष 2016–17 में रूपये 95,727 करोड़ आंकलित किया गया है । सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन के सेवा क्षेत्र में निरंतर वृद्धि परिलक्षित हो रही है, जो वर्ष 2015–16 में रूपये 64,025 करोड़ की तुलना में वर्ष 2016–17 में रूपये 68,392 करोड़ रही ।

राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर स्थिर भावों (वर्ष 2011–12) पर

2. वर्ष 2016–17 में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (बाजार मूल्य) में 8.41 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई है । सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन के कृषि क्षेत्र (कृषि, पशुपालन, वन एवं मत्स्य पालन सम्मिलित) में 13.78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन के उद्योग क्षेत्र (निर्माण, विनिर्माण, खनन एवं उत्खनन, विद्युत, गैस तथा जल आपूर्ति सम्मिलित) में वर्ष 2015–16 की तुलना में वर्ष 2016–17 में 7.85 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई । सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन के सेवा क्षेत्र में यह वृद्धि वर्ष 2016–17 में 6.82 प्रतिशत रही ।

राज्य का वित्त

3. राज्य गठन के पश्चात् प्रारंभिक वर्षो में राजस्व संग्रहण लक्ष्य के अनुरूप नही होने तथा नये राज्य के स्थापना संबंधी व्ययों के अधिक होने के कारण राज्य वर्ष 2003–04 तक राजस्व घाटे की स्थिति में रहा । राजस्व घाटा का प्रभाव राज्य के वित्तीय घाटे में पड़ता है, इस कारण राज्य के वित्तीय घाटे में उक्त अवधि में वृद्धि हुई ।

4. राज्य के राजस्व आय में वृद्धि हेतु किये गये उपायों के कारण वर्ष 2004-05 से लगातार राज्य राजस्व अधिशेष की स्थिति में रहा है । यद्यपि वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 में राजस्व व्यय में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि होने तथा राज्य की राजस्व प्राप्तियों में इन वर्षो में अपेक्षित वृद्धि नहीं होने के फलस्वरूप राजस्व घाटे की स्थिति निर्मित हुई । वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 में पुन: बेहतर वित्तीय प्रबंधन से राजस्व अधिशेष रहा ।

संभावनाएं

5. वर्ष 2017-18 के अग्रिम अनुमानों में कृषि एवं संबंधित क्षेत्र (कृषि, पशुपालन, वन एवं मत्स्य पालन सम्मिलित) में स्थिर भावों (वर्ष 2011-12) पर सकल राज्य मूल्य संवर्द्धन में वर्ष 2016-17 की तुलना में 2.89 प्रतिशत वृद्धि की सम्भावना है । इसी प्रकार उद्योग क्षेत्र (निर्माण, विनिर्माण, खनन एवं उत्खनन, विद्युत, गैस तथा जल आपूर्ति सम्मिलित) में वर्ष 2017-18 में 5.84 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है । सेवा क्षेत्र में गत वर्ष की तुलना में 9.46 प्रतिशत की वृद्धि सम्भावित है । सकल राज्य घरेलू उत्पाद बाजार मूल्य में गत वर्ष 2016-17 की तुलना में वर्ष 2017-18 अग्रिम अनुमानों में 6.65 प्रतिशत वृद्धि होने की सम्भावना है ।

6. वर्ष 2017-18 के अग्रिम अनुमान अनुसार प्रति व्यक्ति आय रूपये 92,035 संभावित है, जो पिछले वर्ष 2016-17 के रूपये 84,265 की तुलना में 9.22 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है ।